# पुरुषों के वस्त्र

**पगड़ी, पाग, पेंचा, बागा या साफा :** सिर को ढकने के लिए पहना जाने वाला वस्त्र। यह प्रतिष्ठा का सूचक भी मानी जाती है। सामान्यतः विवाहोत्सव पर मोठड़े की पगड़ी, श्रावण में लहरिया की पगड़ी, दशहरे पर मदील व होली पर फूलपत्ती की छपाई वाली पगड़ी पहनी जाती है।

**अंगरखी :** शरीर के ऊपरी भाग में पहना जाने वाला वस्त्र। इसे 'बुगतरी' भी कहा जाता है।

**अचकन :** अंगरखी का ही उत्तर रूप अचकन है।

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

**धोती :** पुरुषों द्वारा कमर पर पहना जाने वाला वस्त्र जो साधारणत: श्वेत रंग की होती है।

**चुगा या चोगा :** अंगरखी के ऊपर पहना जाने वाला वस्त्र।

**जामा :** शरीर के ऊपरी भाग में पहना जाने वाला वस्त्र, जिसमें ऊपर चोली होती और नीचे घेर जो घुटने तक आता था।

# पुरुषों के वस्त्र

**पायजामा :** अंगरखी, चुगा और जामे के नीचे कमर व पैरों में पहना जाने वाला वस्त्र।

**बिरजस या ब्रीचेस :** चूड़ीदार पायजामे के स्थान पर काम में लिया जाने वाला वस्त्र ।

**पछेवड़ा :** सर्दी से बचाव हेतु रेजे का बना चद्दरनुमा शरीर के ऊपर डाला जाने वाला वस्त्र।

**कमरबंद या पटका :** जामा या अंगरखी के ऊपर कमर पर बाँधा जाने वाला वस्त्र, जिसमें तलवार या कटार खुसी होती थी।

**आतमसुख :** यह प्राय: तेज सर्दी में ओढ़ा जाता है। इसकी तुलना कश्मीरी फिरन से की जा सकती है

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

# स्त्रियों के वस्त्र

**कुर्ती और काँचली :** शरीर के ऊपरी हिस्से में पहना जाने वाला वस्त्र।

**घाघरा :** कमर के नीचे एड़ी तक पहना जाने वाला घेरदार वस्त्र, जो कई कलियों को जोड़कर बनाया जाता है।

**ओढ़नी, लूगड़ी या साड़ी :** कुर्ती और काँचली तथा घाघरे के ऊपर शरीर पर पहना जाने वाला वस्त्र। पोमचा, लहरिया, चुनरी, मोठड़ा, धनक आदि कुछ विशिष्ट लोकप्रिय ओढ़नियाँ हैं। पोमचा सद्यः प्रसूता द्वारा पहना जाता है। लहरिया श्रावण मास में तीज पर विशेष रूप से पहना जाता है। लहरिये की धारियाँ जब एक दूसरे को काटती हुई बनाई जाती है तो वह मोठड़ा कहलाता है। जोबनेर की फूल की साड़ी व सवाईमाधोपुर की पक्के काले रंग के दुपट्टों पर छापे की 'सुंठ की साड़ियाँ' प्रसिद्ध है।

**तिलका :** यह मुस्लिम औरतों का पहनावा है।

# आदिवासी पुरुषों के वस्त्र

**अंगोछा :** यह पुरुषों का वस्त्र है, जिसे वे सिर पर बाँधते हैं। इसमें केरी भांत का अंगोछा बहुत लोकप्रिय है।

**अंगरखा :** बदन पर पुरुषों द्वारा पहना जाने वाला काले रंग का अंगवस्त्र, जिस पर सफेद धागे से कढ़ाई जाती है।

# आदिवासी स्त्रियों के वस्त्र

**जामसाई साड़ी:** विवाह के समय पहना जाने वाला वस्त्र, जिसमेंलाल जमीन पर फूल पत्तियों युक्त बेल होती है।

**नान्दणा या नानड़ा:** यह आदिवासियों द्वारा प्रयुक्त होने वाला प्राचीनतम वस्त्र है। यह नीले रंग की छींट होती है।

**कटकी :** यह अविवाहित युवतियों और बालिकाओं की ओढ़नी है, जिसकी जमीन लाल और काले व सफेद रंग की बूटियाँ होती हैं, इसे पावली भाँत की ओढ़नी भी कहते हैं|

# आदिवासी स्त्रियों के वस्त्र

**रेनसाई :** यह लहँगे की ही छींट है, जिसमें काले रंग की जमीन पर लाल व भूरे की बूटियाँ बनी होती है।

**लूगड़ा :** इसे अंगोछा साड़ी भी कहते हैं। यह विवाहित स्त्रियों का पहनावा है। जिसमें सफेद जमीन पर लाल बूटे छपे होते हैं।

**ज्वार भाँत की ओढ़नी:** इस ओढ़नी में सफेद रंग की ज्वार के दानों जैसी छोटी-छोटी बिन्दी वाली जमीन और लाल-काले रंग की बेल-बूटियाँ होती हैं।

**लहर भाँत की ओढ़नी:** इस ओढ़नी में ज्वार भांत जैसी बिन्दियों से लहरिया बना होता है।

**केरी भाँत की ओढ़नी:** इसकी किनारी व पल्लू में केरी तथा जमीन में ज्वार भांत जैसी बिन्दियाँ होती है। जमीन लाल रंग की व बिन्दिया सफेद व पीले रंग की होती है।

**तारा भाँत की ओढ़नी:** आदिवासी स्त्रियों की लोकप्रिय ओढ़नी है। इसमें जमीन भूरी लाल तथा किनारों का छोर काला षट्कोणीय आकृति वाला तारों जैसा होता है।

**चूनड़ :** भीलों की चूनड़, जिसमें सफेद बिन्दिया व जमीन का रंग कत्थई लाल होता है।

# आभूषण

**सिर व मस्तक पर के आभूषण :** बोरला, शीशफूल, रखड़ी, टिकड़ा, टीका, फीणी, साँकली, तावित, मेमंद, सुरमंग। सिर पर बाँधे जाने वाले आभूषणों को चूँड़ा रत्न कहा जाता है।

**नाक के आभूषण :** नथ, लौंग, काँटा, चूनी, चोप, बारी।

**कान के आभूषण :** झुमका, बाली, पत्ती, सुरलिया, कर्णफूल, पीपल पत्रा, अंगोट्या, झेला, लटकन, जमेला, झूरे, मुरकिए या मुरकी (पुरुष) ।

**गला व छाती के आभूषण :** तुलसी बजट्टी, हालरो, हाँसली, पोत, चन्द्रमाला, कंठमाला, हाकर, चंपाकली, कंठी, पंचलड़ी, मटरमाला, मोहनमाला, जालरो, चंदनहार, तिमणिया, दुस्सी, निबोरी, जुगावली।

**बाजू व हाथ के आभूषण :** ठड्डा, वट्टा, तकमा, बाजूबंद, पट, फॅबना, अणत, पूँचिया, चूड़ियाँ, चूड़ा, कड़ा, मौखड़ी (लाख का कड़ा), बंगड़ी, हथफूल, कंकण, नोगरी, गजरा, गोखरु, नवरतन, हारपान।

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेस

# आभूषण

**अंगुली के आभूषण :** बींटी, अँगूठी, छल्ला, दामणा, हथपान, छड़ा, अरसी (अँगूठे की अँगूठी) ।

**कमर के आभूषण :** कंदोरा, कर्धनी, तगड़ी, कणकती ।

**पैर के आभूषण :** कड़ा, पायजेब, लंगर, नुपुर, झाँझर, नेवरी, लच्छा, टोड़ा, आँवला, टाँका।

**पैर की अंगुली के आभूषण :** बीछिया, गोर, पगपान, फोलरी।

**दाँत का आभूषण :** रखन (दाँतों में चाँदी व सोने की प्लेट)

राजस्थान सामान्य ज्ञान
वन लाइनर प्रश्न-उत्तर
500+ क्लिक करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
लाइव क्लास की सभी पीडीएफ
फ्री डाउनलोड करें
क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

नवीनतम राजस्थान GK
(टॉपिक वाइज नोट्स)
Free PDF
Click Here
RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
By - Aadarsh Sir

लाइव क्लासेज यहां से देखें

Click Here

Click Here

अन्य नोट्स PDF हेतु क्लिक करें

Click Here

हर नोट्स, मॉडल पेपर की लिंक यहां मिलेगी

Click Here